



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 144]

नई दिल्ली, मंगलवार, चैत्र 20, 1982/चैत्र 30, 1904

No. 144]

NEW DELHI, TUESDAY, 'APRIL 20, 1982/CHAITRA 30, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 20 अप्रैल, 1982

कां०आ० 271 (अ) —केंद्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और धीरे वित्तियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 194क के अधीन जारी किए गए भारत सरकार के उद्योग भवनाय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 708 (अ) तारीख 19 सितम्बर, 1981 द्वारा उद्योग स्टैंडर्ड पैमानाकरण कार्यक्रम विधेय, वरन् उद्योग को उद्योग स्टैंडर्ड पैमानाकरण कार्यक्रम विधेय चंद्रावर, जिना कर्म उद्योग (जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का पता उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकार दिया है।

धन, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 193 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए इससे उपायान अनुसूचा में उक्त अपवादा निबन्धना और परिमिताओं का विनिर्दिष्ट करती है जिनके अधीन सते हुए वरन् अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त औद्योगिक उपक्रम का उक्त रीति में लागू होता रहेगा जिस रीति में वह धारा 184क के अधीन आदेश 5 जारी किए जाने के पूर्व उसका लागू होगा था।

## अनुसूची

कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध के अपवाद, निबन्धन और पारसीमार्फ, जिनके अधीन रहते हुए स्तंभ (1) में उल्लिखित उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू होंगे।

1

2

धारा 166

इस धारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे। फिर भी, उपक्रम अपनी कानूनी विवरणियां और गुलनपत्र कंपनियों के रजिस्ट्रार के पास फाइल करेगा। इस छूट से कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 159(1) के उपबन्ध पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

धारा 169

इस धारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

धारा 210(1)

इस धारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे। फिर भी वह अपनी कानूनी विवरणियां और गुलनपत्र कंपनियों के रजिस्ट्रार के पास फाइल करेगा। इस छूट से कंपनी अधिनियम 1956 की

## SCHEDULE

1	2	3	4
		Provision of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the said industrial undertaking
धारा 159(1) के उपबंधों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।			
धारा 217	इस धारा के उपबंध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।		
धारा 221	इस धारा के उपबंध उक्त औद्योगिक उपक्रम को इस शर्त के अधीन रहते हुए लागू होंगे कि संपरीक्षक को नियुक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाएगी।	Section 166	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking. It shall, however, file its statutory returns and balance sheets with the Registrar of Companies. The exemption will not affect the provisions of section 159(1) of the Companies Act, 1956
धारा 225	इस धारा के उपबंध उक्त औद्योगिक उपक्रम को इस शर्त के अधीन रहते हुए लागू होंगे कि संपरीक्षक को नियुक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाएगी।	Section 169	Provisions of this section shall not apply to the said industrial undertaking.
धारा 239(1)(प)	इस धारा के उपबंध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।	Section 210(1)	Provision of this sub-section shall not apply to the said industrial undertaking. It shall however, file its statutory returns and balance sheets with the Registrar of Companies. The exemption will not affect the provisions of section 159(1) of the Companies Act, 1956.
धारा 294	इस धारा के उपबंध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।	Section 217	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking.
छूट की अवधि, सभी मामलों में उस तारीख की समाप्त हो जाएगी जब कंपनी उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951, (1951 का 61) के उपबंधों के अधीन केन्द्रीय सरकार के प्रबंध में नहीं रह जाती है।		Section 224,	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking subject to the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.
	[फा० सं० 3(3)/81-सी०यू०एम०] सी० के० मोदी, सयुक्त सचिव।	Section 225	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking subject to the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.
		Section 239(1) (d)	Provision of this sub-section shall not apply to the said industrial undertaking.
		Section 294	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking.

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 20th April, 1982

**S.O. 271 (E).**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 708(E), dated the 19th September, 1981 issued under section 18AA of the Industries (Development, and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government has authorised the Orissa State Textile Corporation Limited, Cuttack, Orissa to take over the management of the industrial undertaking known as Messrs Orissa Textile Mills Limited, Chowdwar, District, Cuttack, Orissa (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for the period specified therein;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the Order under Section 18AA.

The period of exemption in all cases will terminate when the Company ceases to be managed by the Central Government under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951.)

[F. No. 3(3)/81-CUS.]  
C. K. MODI, Joint Secy.